डा. सुजाता गुप्ता
हिंदी विभाग
स्नातक डिग्री-२

व्याख्यान स- ३

अज्ञेय का साहित्यिक परिचय :

१९३६-३७ में अज्ञेय ने 'सैनिक' एवं 'विशाल भारत' नामक पत्रिकाओं का संपादन किया। १९४३-१९४६ तक ब्रिटिश सेना में योगदान भी दिया। इसके पश्चात् इलाहाबाद से 'प्रतीक' नामक पत्रिका निकाली। देश-विदेश की यात्राएं की और ऑल इंडिया रेडियो की नौकरी भी की। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और जोधपुर विश्वविद्यालय में अध्यापन का कार्य किया। फिर दिल्ली आने के बाद दिनमान साप्ताहिक, नवभारत टाइम्स, अंग्रेजी पत्र वाक और एवरीमैंस में भी संपादन का कार्य किया। १९६४ ई० में 'आंगन के पार द्वार' पर उन्हें साहित्य अकादमी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। १९७९ ई० में 'कितनी नावों में कितनी बार' पर उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला।

प्रमुख कृतियाँ

* कविता संग्रह :–
भग्नदूत, इत्यलम्, हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, इन्द्रधनुष रौंदे हुए ये, अरी ओ करुणा प्रभामय, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, आदि।

* कहानी-संग्रह :–
विपथगा, परंपरा, कोठरी की बात, शरणार्थी, जयदोल, ये तेरे प्रतिरूप।

* उपन्यास : शेखर: एक जीवनी, नदी के द्वीप, अपने-अपने अजनबी।

* यात्रा-वृत्तांत :
अरे यायावर रहेगा याद, एक बूंद सहसा उछली।

* निबंध संग्रह :-
सबरंग, त्रिशंकु, आत्मनेपद, आधुनिक साहित्य; एक आधुनिक परिदृश्य, आलवाल.

* संस्मरण :
स्मृतिलेखा

* डायरियाँ :
भवंती, अंतरा और शाश्वती।

* विचार गद्य
संवत्सर

अज्ञेय का काव्य-संग्रह (समग्र काव्य) 'सदानीरा' नाम से दो खंडों में संकलित हुआ है।
अन्य विषयों पर लिखे गए निबंध 'केन्द्र और परिधि' नामक ग्रंथ में संकलित हैं।
उन्होंने तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक जैसे काव्य-संकलनों का भी संपादन किया।
अज्ञेय एक सफल कवि, उपन्यासकार, कहानीकार और आलोचक रहे हैं। हिंदी कविता को नयी दिशा देने का कार्य अज्ञेयजी ने किया। नए कवियों के लिए अज्ञेय की रचनाएँ एवं भाषा-शैली मार्गदर्शक का कार्य करती हैं और रहेंगी।